vinetur

अमेरिका की वाइन बिक्री में चमक : शैंपेन राजस्व 14.7% बढ़ा

16 डॉलर से ऊपर की बोतलों ने बेहतर प्रदर्शन किया, जबकि प्रीमियम स्पिरिट्स ने जुलाई तक हर मूल्य-खंड में गिरावट दर्ज की।

मंगलवार, 29 सितंबर 2026



Wine & Spirits Wholesalers of America के SipSource के ताज़ा आंकड़ों में अमेरिकी बेवरेज अल्कोहल बाजार में वाइन में सुधार के संकेत दिखे, हालांकि व्यापक कारोबार जुलाई तक गिरावट में बना रहा।

ट्रेड ग्रुप ने कहा कि जुलाई तक के 12 महीनों में कुल वाइन और स्पिरिट्स वॉल्यूम 6.8% घटा, जबकि राजस्व 6.1% नीचे रहा। सबसे हाल के तीन महीने की अवधि में वॉल्यूम 6.2% गिरा और राजस्व 6.1% घटा, जिससे साफ है कि बाजार पर दबाव बना हुआ है, लेकिन विभिन्न श्रेणियों में गिरावट एक जैसी नहीं है।

बेहतर खबर वाइन से आई, जहां व्यापक मंदी के बावजूद कई खंडों में वृद्धि दर्ज हुई। पिछले तीन महीनों में शैंपेन का राजस्व 14.7% बढ़ा, Prosecco में 10.2% की बढ़ोतरी हुई, और Sauvignon Blanc 3.2% ऊपर रहा। ये आंकड़े बताते हैं

कि उपभोक्ता अभी भी कुछ चुनी हुई वाइन श्रेणियों पर खर्च करने को तैयार हैं, खासकर स्पार्कलिंग वाइनों और कुछ स्थापित वैरायटल्स पर, भले ही कुल शराब खरीद पिछले साल की तुलना में कमजोर बनी हुई है।

WSWA के आंकड़ों में कीमत के आधार पर भी साफ अंतर दिखा। वाइन में 16 डॉलर से अधिक कीमत वाली बोतलें कम कीमत वाले उत्पादों की तुलना में बेहतर प्रदर्शन कर रही हैं। इस ऊपरी-स्तरीय कारोबार का सबसे मजबूत हिस्सा 50 डॉलर से अधिक वाला खंड रहा, जिसने पिछले 12 महीनों में राजस्व में 0.9% की मामूली बढ़त दर्ज की। यह बाजार के ऊपरी हिस्से में कुछ निरंतर मजबूती की ओर इशारा करता है, जहां खरीदार शुरुआती और मध्यम कीमत वाले खंडों के उपभोक्ताओं की तुलना में अधिक समय तक टिके दिख रहे हैं।

स्पिरिट्स में रुझान कमजोर रहा। हाल के तीन महीनों में स्पिरिट्स वॉल्यूम 5.7% गिरा और राजस्व 7.1% नीचे आया, जो पिछले महीने की तुलना में नरम नतीजा है। WSWA ने कहा कि वॉल्यूम और राजस्व के बीच बढ़ता अंतर प्रीमियमाइज़ेशन पर जारी दबाव दिखाता है, क्योंकि उपभोक्ता मूल्य पर अधिक ध्यान दे रहे हैं और अपग्रेड करने को कम तैयार हैं। व्यावहारिक रूप से, उद्योग कम केस बेच रहा है, और आने वाला पैसा उससे भी तेज़ी से घट रहा है।

यह बदलाव स्पिरिट्स के सभी मूल्य स्तरों पर दिखाई दिया। WSWA ने कहा कि अब हर स्पिरिट्स खंड में राजस्व 5% से अधिक नीचे है। 50-99.99 डॉलर वाला खंड 9.5% गिरा, जबकि 50 डॉलर से ऊपर कीमत वाली सभी स्पिरिट्स 8.9% नीचे रहीं। ये आंकड़े बताते हैं कि सुस्ती अब सिर्फ कम कीमत वाले उत्पादों तक सीमित नहीं है और ऊपरी-स्तर की स्पिरिट्स, जो पिछले वर्षों में राजस्व को सहारा देती थीं, अब वे भी कमजोर पड़ रही हैं।

जो एक क्षेत्र अपेक्षाकृत बेहतर टिका रहा, वह ऑन-प्रिमाइज़ कारोबार था, यानी बार और रेस्टोरेंट। कुल वाइन और स्पिरिट्स ऑन-प्रिमाइज़ वॉल्यूम पिछले 12 महीनों में 2.8% गिरा, जबकि ऑफ-प्रिमाइज़ चैनल, जिसमें खुदरा दुकानें और अन्य घर ले जाने वाली खरीद शामिल हैं, में 7.5% की गिरावट आई। यह अंतर दिखाता है कि उपभोक्ता बाहर पीने पर अब भी कुछ खर्च करने को तैयार हैं, जबकि खुदरा खरीदारी अपेक्षाकृत कमजोर बनी हुई है।

हालिया रुझान उस तस्वीर को और पुष्ट करते हैं जो पिछले वर्ष के अधिकांश समय से शराब बाजार में बन रही है। कुल मांग पिछले साल की तुलना में अभी भी नीचे है, लेकिन घाटा समान रूप से नहीं फैला है। वाइन में मजबूती के कुछ अलग-अलग क्षेत्र दिख रहे हैं, खासकर स्पार्कलिंग श्रेणियों और कुछ ऊँची कीमत वाली बोतलों में, जबकि स्पिरिट्स को व्यापक कमजोरी और प्रीमियम बिक्री पर अधिक स्पष्ट दबाव का सामना करना पड़ रहा है।

थोक विक्रेताओं, आपूर्तिकर्ताओं और खुदरा विक्रेताओं के लिए ये आंकड़े दिखाते हैं कि इस बाजार में सिर्फ वॉल्यूम नहीं, बल्कि श्रेणी-मिश्रण भी अधिक मायने रखता है। उत्सव और भोजन के अवसरों से जुड़ी श्रेणियां समग्र बाजार से बेहतर प्रदर्शन कर रही हैं, जबकि वे उत्पाद जो उपभोक्ताओं से लगातार अधिक भुगतान की अपेक्षा करते हैं, उन्हें अधिक प्रतिरोध मिल रहा है। रिपोर्ट से संकेत मिलता है कि मूल्य संबंधी चिंताएं खरीद निर्णयों के केंद्र में बनी हुई हैं, लेकिन यह भी दिखता है कि कुछ उपभोक्ता अब भी उन श्रेणियों में खर्च कर रहे हैं जिन्हें वे अलग या अतिरिक्त लागत के लायक मानते हैं।

ये आंकड़े WSWA ने अपने डेटा ट्रैकर SipSource के जरिए जारी किए और जुलाई तक की बिक्री प्रवृत्तियों को दर्शाते हैं। हालांकि समग्र बाजार वॉल्यूम और राजस्व, दोनों के लिहाज से नकारात्मक बना हुआ है, ताज़ा आंकड़े दिखाते हैं कि शैंपेन, Prosecco, Sauvignon Blanc और 16 डॉलर से ऊपर की बोतलों में बढ़त के जरिए वाइन कुछ नुकसान की भरपाई कर रही है, जबकि स्पिरिट्स मुख्यधारा और प्रीमियम, दोनों मूल्य-श्रेणियों में लगातार पिछड़ रही है।